Rekilling of five persons in Tagore Town, Allahabad (Uttar Pradesh)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, 17 फरवरी, 1993 का मामला है । इलाहाबाद में टैगोर टाउन का एक मोहल्ला है जिसका नाम मुंशी हरनन्दन प्रसाद मार्ग भी है, वहां एक युवक चिकित्सक डा. अनिल कुमार गुप्ता के घर में किसी समय रात में घुस कर उनकी, उनकी मां की, उनकी पत्नी की, उनकी पुत्री की और उनकी बहन की हत्या कर दी गई । एक दिन के बाद इस हत्या का इस प्रकार से पता लगा कि उनके पिता कानपुर में थे वहां से टेलीफोन किया मकान से कोई जवाब नहीं मिला तो वह वहां से इलाहाबाद आए । उन्होंने मकान खोल कर देखा तो पता लगा उसके अंदर पांच लाशें पड़ी हुई हैं । उसके बाद वहां नागरिकों को बहुत असन्तोष है, डाक्टरों को भी बड़ा असन्तोष है । वहां डाक्टरों ने हड़ताल भी की, अपना काम बन्द रखा । माननीय उपसभापति महोदया, वहां पर सारी कानून व्यवस्था ठप्प हो चुकी है । आज पूरे के पूरे मामले को एक महीना हो चुका है लेकिन न तो किसी को गिरफ्तार किया गया है और न इस मामले में कोई जांच की गई है । इसलिए अभी तक कोई परिणाम सामने नहीं आया । वहां पर बहुत असंतोष है । वहां के लोग राज्यपाल जी से भी मिले थे और उनसे आग्रह किया था कि इस मामले में उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए । चूंकि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन है और वहां पर एक परिवार के पांच सदस्यों की हत्या हो चुकी है और एक महीने के बीत जाने के बाद भी किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है इसलिए आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि वहां पर कोई कड़ी कार्रवाई कराई जाए । इस सरकार से मेरा अनुरोध है कि इस मामले की सी. बी. आई. से जांच कराए क्योंकि इस सरकार का दायित्व है उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन होने के कारण । और जो अपराधी हों उनको पकड़ कर सजा दिलाई जाए ।

Re. Bomb blasts in Bombay

HINDI

उपसभापति : महाजन जी आपकी क्या समस्या है ?

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : मैं एक मिनट लूंगा । मुंबई के बम विस्फोटों का रहस्य बहुत गहरा हो रहा है और दूसरी ओर केन्द्रीय सरकार की लापरवाही के नए-नए . . .

उपसभापति : महाजन जी यह तो मेहता जी को दिया है । उनको परमिशन दी है चेयरमैन साहब ने ।

SHRI CHIMANBHAI MEHTA (Gujarat) : Madam, today the newspapers have carried the news that Memon brothers who were in Dubai have left Dubai and are not traceable. This shows the attitude of the Government. According to the Dubai police chief, our Government did not inform them when they were staying there that they should be apprehended, arrested and handed over to us. This was not done by the Government of India and our police department. This is a big mistake committed by our Government. Secondly, we must also realise that the Dubai police is not disclosing where these Memon brothers who were involved in Bombay blasts and who were the main actors behind it, have gone. Dubai police, through their apparatus, can easily know. Memon brothers got their tickets and they must have given their destination. Dubai police can easily find out their whereabouts. But they are not co-operating. They have not been co-operating for the last several years. Dawood who is staying there since 1982 and taking shelter in Dubai, is involved in so many crimes and the Government of India and our police department approached Dubai Government but they have never co-operated in this matter. That is what the Bombay police is complaining, if, according to them, extradition is not possible, the Government should come out with a full statement and tell us whether such an Extradition Treaty exists or not, and if it does

not exist, why it is so. The whole mafia gang has run away from Ahmedabad. They are the murderers. Therefore, we must find out about it how these smugglers, the mafia gang leaders and these murderers are able to run away to Dubai, the nearest centre.

The Government should do something. They should come out with a statement and this matter should be thoroughly discussed in the House. Thank you.

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar) : Would the Home Minister react to it? Would the Home Minister like to react to it ?

श्री प्रमोद महाजन : उपसभापति महोदया, दुबई के पुलिस प्रमुख ने भारत सरकार पर तीन आरोप लगाए हैं ।

उपसभापति : यह उन्होंने बोल दिया है ।

श्री यशवन्त सिन्हा : बम्बई में इतने लोग मारे गए, इतने इनएण्टीट्यूट के साथ हर चीज में कैसे चलेगा ?

उपसभापति : मेहता जी इस बारे में बोल चुके हैं ।

श्री प्रमोद महाजन : उपसभापति महोदया, एक आरोप यह है कि शनिवार की दोपहर तक भारत सरकार की ओर से मैमन परिवार को पकड़ने के लिए औपचारिक या अनौपचारिक रूप से दुबई को नहीं कहा गया था । उन्होंने दूसरा आरोप यह किया है कि मुम्बई की पुलिस ने मैमन का चित्र छापकर दुबई से उन्हें भागने के लिए प्रोत्साहित किया है । तीसरा आरोप यह है कि जिस कुख्यात दाउद इब्राहीम की चर्चा चलती है यह दाउद इब्राहीम अभी भारतीय पार-पत्र, पासपोर्ट के आधार पर चलता है और बारबार उसका रिन्यूअल किया जाता है और यह दाउद इब्राहीम अपने पासपोर्ट का नवीनीकरण करके हमारे पासपोर्ट पर सारी दुनिया में घूमता है । इसलिए दुबई के पुलिस प्रमुख ने पूछा है कि अगर वास्तव में आप दाउद इब्राहीम को चाहते थे तो दाउद इब्राहीम को कम से कम पकड़ने के लिए उसका पासपोर्ट क्यों जब्त नहीं करते हैं ? इसके आगे कहा गया है कि भारत सरकार कभी भी गम्भीरता से गुनाहगारों के संबंध में बात नहीं करती है । विन चड्ढा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विन चिड्ढा के संबंध में भारत सरकार ने केवल यह कहा कि हमको आदमी नहीं चाहिए, हमें केवल अपना अपोजिशन प्रोटेस्ट रजिस्टर करना है । मुझे लगता है कि यह बड़ा गम्भीर आरोप है । मुम्बई के पुलिस कमिश्नर ने केवल यह कहा है कि यह हमको बदनाम करने वाला आरोप है । इस संबंध में कुछ नहीं कहा है । मुझे लगता है कि यह आरोप सदन में और समाज में रहे तो भारत सरकार की बहुत बदनामी हो जाएगी जो सारे देश और खासकर महाराष्ट्र में और खासकर मुम्बई में राजनीति का जो गुनाहगारीकरण हुआ है और लोगों को यह लगेगा कि दाउद इब्राहीम को सत्ता में बैठे हुए लोगों का आशीर्वाद है, यह बात पक्की हो जाएगी । इसलिए मैं गृह मंत्री से प्रार्थना करूंगा कि वे इसकी जांच करके वास्तविकता क्या है, यह सदन और समाज को बताएं ।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN) Madam, may I clarify the position ? This is a very delicate matter. I am sure the House would agree with me that no police officers, for that matter, should give any press conference and warn every day, go on saying something or the other. These are matters which have internatonal ramifications and there are certain countries which are prepared to co-operate with us. But if you go on raising the issue, make it public, it becomes rather difficult. I won't like to go into the details because, ultimately, it is for the External Affairs Minister to give the information. I can only say that [illegible] agencies are on right [illegible] Please bear with us, keep quiet for some time, so that, after getting the results, thereafter, it will be possible for the Government to give the details before the House. Before that, if we say anything, may be, it will create complications.

श्री प्रमोद महाजन : यह गम्भीर आरोप है । अगर होम मिनिस्टर बम्बई के पुलिस कमिश्नर को रोज कांफ्रेन्स करने से नहीं रोक सकते हैं तो यह गम्भीर आरोप है । वे रोज कांफ्रेन्स करते हैं और बताते हैं और वह छपता है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN : This is a State matter.

SHRI VIREN J. SHAH (Maharashtra): Madam, the hon. Home Minister... (*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : वे रोज न्यूजपेपर वालों से बातें करते हैं और सारी जानकारी दे रहे हैं ।

SHRI VIREN J. SHAH : His passport should not be renewed. Passing on the blame to the External Affairs Minister by the Home Minister itself indicates a very weak position. (*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN : Would the Minister assure that the passport of Dawood Ibrahim would not be renewed? At least this assurance must come. He can give that assurance that the passport of Dawood Ibrahim would not be renewed.

SHRI YASHWANT SINHA : Madam, the hon. Home Minister had promised in the House that he would let me know. I had raised this question the other day. I wanted to know whether Yakub Memon and some members of his family were allowed to leave Bombay after the blasts. This is what the report says. He reached Dubai on the 13th. They were allowed to leave after the blasts. They go to Dubai and we do not take up the matter with the Dubai administration. Then they leave Dubai. Is this the way in which the Government is functioning? This Government is incompetent...

SHRI S. B. CHAVAN : The whole family left on 11th. This incident took place on 12th. What is reported in the press is not correct. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN : Let us hear the Home Minister. (*Interruptions*). If you are not interested to hear the Home Minister, I am interested. Let him answer.

THE S. B. CHAVAN : The family left on 11th itself and the incident took place on 12th. Whatever action is called for, certainly the Government is taking action against all those who are involved in this case.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, ...

(Interruptions).

شری محمد افضل عرف م۔ افضل : میڈم

उपसभापति : जवाब दे रहे हैं, बैठिए यह कोई तरीका नहीं है ।
Yes, Mr. Mann, you wanted to say something. (*Interruptions*).

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, जो मसला इन्होंने उठाया है और जिसका होम मिनिस्टर ने जवाब दिया है, उसके ताल्लुक से मैं कहना चाहता हूं कि क्या होम मिनिस्टर साहब को इस बात की जानकारी है कि मि. बाल ठाकरे ने एक बयान दिया है । उसमें उन्होंने यह कहा कि मुंबई में जो बम विस्फोट हुए हैं, उसका जवाब दिया जाएगा । अगर होम मिनिस्टर साहब को इस बात की जानकारी है ? यह मैं जानना चाहता हूं कि बाल ठाकरे उसका जवाब किसको देना चाहते हैं, इन बम विस्फोटों का जवाब किसको देना चाहते हैं ? क्या आप बाल ठाकरे से यह पूछने की जहमत गवारा करेंगे कि इन बम विस्फोटों का जवाब किस तरह से देना चाहता है । . . . **(व्यवधान)** . . . मैं यह बताना चाहता हूं कि बाल ठाकरे ने मुंबई को मुसलमानों को रैनसम कर रखा है और उसके खिलाफ कोई कार्यवाही करने की सरकार की हिम्मत नहीं है । वह रोज उल्टे-सीधे बयान देता है । मुझे शर्म आती है कि आज तक किसी ने उसकी मुज्जमत नहीं की है । मैं यह पूछना चाहता हूं कि वे किससे बदला लेना चाहता है, किससे बदला लिया जाएगा ?

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

شری محمد افضل عرف م۔ افضل "اتر پردیش":
میڈم۔ جو مسئلہ انھوں نے اٹھایا ہے اور جس کا ہوم منسٹر نے جواب دیا ہے اُس کے تعلق سے میں کہنا چاہتا ہوں کہ کیا ہوم منسٹر صاحب کو اس بات کی جانکاری ہے کہ مسٹر بال ٹھاکرے نے ایک بیان دیا ہے۔ اس میں انھوں نے یہ کہا ہے کہ بمبئی جو بم بسفوٹ ہوئے ہیں اس کا جواب دیا جائے گا۔ اگر ہوم منسٹر صاحب کو اس بات کی جانکاری ہے۔ یہ میں جاننا چاہتا ہوں کہ بال ٹھاکرے اس کا جواب کس کو دینا چاہتے ہیں۔ کیا آپ بال ٹھاکرے سے یہ پوچھنے کی زحمت گوارہ کریں گے کہ ان بم بسفوٹوں کا جواب کس طرح دینا چاہتے ہیں . . .

"مداخلت" . . . . میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ بال ٹھاکرے نے بمبئی کے مسلمانوں کو رینسیم کر رکھا ہے اور اس کے خلاف کوئی کارروائی کرنے کی سرکار میں ہمت نہیں ہے۔ وہ روز الٹے سیدھے بیانات دیتا رہتا ہے۔ مجھے شرم آتی ہے کہ آج تک کسی نے اس کی مذمت تک نہیں کی۔ میں یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ وہ کس سے بدلہ لینا چاہتا ہے۔ کس سے بدلہ لیا جائے گا۔

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

14—151 RSS/94

ReAtrocities committed by Police in Danria village of Nangaon (Tehsil) Distt. Chhatisgarh, Madhya Pradesh

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम निर्देशित) : महोदया, पुलिस के रवैए से यह सारा हाउस बहुत चिंतित रहा है। अब पुलिस का रवैया यहां तक बढ़ गया है कि जिनको इंटरोगेट करना है—अब यह बात स्पष्ट हो गयी है कि कानून की उनकी नजर में कोई इज्जत नहीं—इन्टरोगेट करना है कि लेडीज को बुलवाकर गैंग रेप किया जाता है पुलिस थानों में यह हालत हो गयी है। मैं यहां पर यह बात रेज करना चाहता हूं जो पुलिस वालों ने हाल ही में किया है। मध्य प्रदेश में दरिया गांव, तहसील नौगांव जिला छत्तीसगढ़ में है। वहां दो लड़के जानकी काशी और राम् प्रसाद को पुलिस ने इन्टरोगेट करने के लिए बुलाया। उनको इंटरोगेट करते करते उन दोनों की पत्नियां भूरी बाई और सम्पत बाई को भी थाने में लाया गया और तमाम लोगों के सामने उनको नंगा किया गया और उसके बाद उनको रेप किया गया। कुछ लोगों से रेजिस्ट किया। रेजिस्ट करने के बाद उस थानेदार को उस लड़की ने जिसको नंगा किया गया था वह अपनी चप्पल लेकर थानेदार की ओर बढ़ी। इसमें गलती क्या है, मरता क्या न करता। जिसकी इज्जत पर उसने हाथ उठाया वह आगे बढ़ी और आगे बढ़कर वह थानेदार की तरफ आई, उसने उसको ऊपर हमला भी किया, हाथ से किया। यह देखकर कुछ लोग जो वहां थे, और जिनको इतनी बेइज्जती बर्दास्त नहीं हो सकी उन्होंने भी थानेदार को कहा कि यह गलत है। इसके बाद थानेदार साहब ने बजाए अपनी गलती पर पश्चाताप करते उन्होंने 5 ट्रक फोर्स लेकर दाँरिया गांव में गए और दाँरिया गांव में जाकर लोगों को टैरर किया और इतनी मारपीट की कि वहां लोगों के दांत तोड़े, हड्डियां तोड़ी, इतनी ज्यादती की . . .

उपसभापति : जरा संक्षेप में बोल दीजिए ताकि आगे बात चले।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : इतनी बड़ी बात है। मैं संक्षेप में ही कह रहा हूं। मैं हाउस का ज्यादा समय नहीं लेना चाहता . . .